मानक सन्दर्भित एवं निकष सन्दर्भित परीक्षण
(Norm Referenced and Criterian Referenced Test)

परीक्षणों के मापन स्वरूप के आधार पर अमेरिकी मनोवैज्ञानिक राबर्ट ग्लेसर (Robert Glaser) ने मापन को दो वर्गों में विभाजित किया-एक मानक सन्दर्भित मापन (Norm Referenced Measurement) और दूसरा निकष सन्दर्भित मापन (Criterian Referenced Measurement)। मानक सन्दर्भित मापन द्वारा किसी समूह में किसी छात्र की किसी विषय में योग्यता की केवल सापेक्षिक स्थिति का ज्ञात होता है जबकि निकष सन्दर्भित मापन द्वारा किसी छात्र की किसी विषय में योग्यता की वास्तविक स्थिति का ज्ञान होता है। उक्त तथ्यों के आधार पर विद्वानों ने परीक्षणों को निम्न दो वर्गों में विभाजित किया है—

1. मानक सन्दर्भित परीक्षण (Norm Referenced Test)–मानक सन्दर्भित परीक्षण में केवल वे परीक्षण आते हैं जो केवल मानक सन्दर्भित मापन करते हैं अर्थात् वे इस तथ्य का मापन करते हैं कि किसी समूह में किसी छात्र की किसी विषय में योग्यता की दृष्टि से सापेक्षिक स्थिति क्या है? निबन्धात्मक परीक्षण जिनमें 10-12 प्रश्न पूछकर उनमें से 5-6 प्रश्नों का उत्तर परीक्षार्थी को देने के लिए कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षणों का सम्पादन एवं मूल्यांकन करना सरल होता है। चूँकि इस प्रकार के परीक्षण में विषय से सम्बन्धित सम्पूर्ण सामग्री पर प्रश्न नहीं पूछे जाते इसलिए इनसे छात्रों के किसी भी विषय में सम्पूर्ण ज्ञान का मापन नहीं किया जा सकता है। इस परीक्षण में छात्रों की उपलब्धि की व्याख्या किसी समूह विशेष के सन्दर्भ में करनी होती है।

2. निकष सन्दर्भित परीक्षण (Criterian Referenced Test)—निकष सन्दर्भित परीक्षण में वे परीक्षण आते हैं जो निकष सन्दर्भित मापन करते हैं अर्थात् किसी समूह में किसी छात्र की किसी विषय में योग्यता की वास्तविक स्थिति का मापन करते हैं। चूँकि ग्लेसर महोदय ने निकष (Criterian) का अर्थ स्पष्ट नहीं किया जिसके फलस्वरूप विद्वान अपने-अपने दृष्टिकोण से निकष का अर्थ स्पष्ट किए। कुछ विद्वान निकष का अर्थ पाठ्यवस्तु (Contents) से, कुछ विद्वान निकष का अर्थ शिक्षण लक्ष्यों (Teaching Objectives) से लगाते हैं जिसके फलस्वरूप निकष सन्दर्भित परीक्षण को पाठ्यवस्तु सन्दर्भित परीक्षण अथवा योग्यता सन्दर्भित परीक्षण और लक्ष्य सन्दर्भित परीक्षण कहकर सम्बोधित करते हैं। इस परीक्षण द्वारा ज्ञान, भाव एवं क्रिया तीनों पक्षों का मापन होता है। यदि वस्तुनिष्ठता का ध्यान रखा जाये तो इनसे छात्रों के किसी विषय में सम्पूर्ण ज्ञान का मापन किया जा सकता है। इस परीक्षण के अन्तर्गत निबन्धात्मक, लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं।

Scanned by CamScanner